सांध्य दैनिक 4PM

यदि विपत्ति कुछ समय की हो तो वह भी ठीक ही है, क्योंकि विपत्ति में ही सबके विषय में जाना जा सकता है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन नहीं।
–रहीम दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 95 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 9 मई, 2024

लखनऊ के हारते ही मुंबई आईपीएल... 7 | गिरते वोटिंग का जिक्र, बढ़ा रहा... 3 | बहनजी सर्वसमाज की सर्वमान्य... 2

नवनीत राणा के बयान से गरमाया चुनावी माहौल

15 सेकेंड के लिए पुलिस हटाने की बता कही थी

» विपक्ष ने बीजेपी को घेरा कहा- मुद्दों से भटका कर धर्म की ले रही आड़

» ओवैसी पर दिए बयान पर भड़की एआईएमआईएम

» चुनाव आयोग से की कार्रवाई करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तीन चरणों के चुनाव संपन्न हो गए हैं। सभी सियासी दल आगे के चरणों के लिए फिर आक्रामक चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। जनता से जुड़े मुद्दे गायब हो गए है अब सत्ता पक्ष में बैठी बीजेपी चुनाव को हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, शहजादा करने लगी है। तो विपक्ष उसको घेरते हुए उस पर मुद्दों से भटकाने का आरोप लगा रहा है। अब देखना होगा जनता किसकी बात पर वोट करती है। 4 जून को ही पता चलेगा कि कौन सत्ता की कुर्सी के शीर्ष पर होता है और कौन बाहर।

देश में इन दिनों चुनावी मौसम चल रहा है। विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता विरोधियों के खिलाफ बयानबाजी कर एक-दूसरे की पोल खोलने में लगे हैं। इसी बीच, भाजपा की नेता नवनीत राणा के 15 सेंकेंड लगेगा वाले एक बयान पर अब विवाद खड़ा हो गया है। राणा के ओवैसी भाइयों पर दिए बयान पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वह समझ गई हैं कि वह बुरी तरह से हार रही हैं, इसलिए यह सब बकवास कर रही हैं। दरअसल, भाजपा प्रत्याशी माधवी लता के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए नवनीत राणा ने एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई पर जमकर निशाना साधा था। राणा ने बिना नाम लिए कहा था, छोटा भाई बोलता है कि 15 मिनट के लिए पुलिस को हटा दो फिर हम दिखाते हैं, हम क्या करते हैं तो मैं उनको कहना चाहती हूं कि छोटे भाईसाहब आपको तो 15 मिनट लगेंगे, लेकिन हमें सिर्फ 15 सेंकड लगेंगे। 15 सेकंड के लिए अगर पुलिस को हटाया तो छोटे-बड़े को यह पता भी नहीं चल पाएगा कि वे कहां से आए और कहां गए। इसका एक वीडियो भी राणा ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है। साथ ही उन्होंने इसमें दोनों ओवैसी बंधुओं को भी टैग किया है।

बीजेपी की प्रत्याशी माधवी लता के लिए कर रहीं थी प्रचार

डॉ. माधवी विरिंची हॉस्पिटल की चेयरपर्सन हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। अस्पताल की चेयरपर्सन होने के अलावा माधवी लता भरतनाट्यम डांसर भी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों के लिए भी जानी जाती हैं। वह ट्रस्ट और संस्थाएं हेल्थकेयर, शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। वह लोपामुद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट और लतामा फाउंडेशन की प्रमुख हैं।

हैदराबाद सीट पर सन 1984 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा

हैदराबाद सीट पर सन् 1984 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। असदुद्दीन ओवैसी के पिता सुल्तान सलाउद्दीन ओवैसी 1984 में पहली बार इस सीट से सांसद बने थे। 2004 तक वह सांसद रहे और इसके बाद अब यह सीट असदुद्दीन ओवैसी के पास है।

संदेशखाली स्टिंग वीडियो मामले में टीएमसी ने शुभेंदु की शिकायत की

संदेशखाली के स्टिंग वीडियो मामले में टीएमसी ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। संदेशखाली के स्टिंग वीडियो में एक नेता ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि संदेशखाली की साजिश शुभेंदु अधिकारी ने रची थी और महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप मनगढ़ंत थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें संदेशखाली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कायल होने का दावा करने वाले व्यक्ति ने बताया कि संदेशखाली की पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी शामिल हैं। एक मीडिया चैनल द्वारा यह स्टिंग ऑपरेशन किया गया था। इस वीडियो में कायल को कहते हुए सुना जा सकता है कि संदेशखाली में यौन उत्पीड़न की शिकायतें शुभेंदु अधिकारी के कहने पर दर्ज की गईं। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार का आरोप है कि स्टिंग ऑपरेशन फर्जी है और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से बनाया गया है।

ये बयान बता रहा वह हार रही हैं : वारिस पठान

भाजपा नेता नवनीत रवि राणा की 15 सेकंड लगेगा वाली टिप्पणी पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा, नवनीत राणा को समझ आ गया है कि वह इस बार अमरावती से बुरी तरह हार रही हैं। वह इस झटके, इस सदमे को सहन करने में असमर्थ है और इसलिए वह यह सब बकवास कर रही हैं। उन्होंने पूछा, अगर पुलिस को 15 सेकंड के लिए हटा दिया जाए तो आप क्या करेंगे? सभी मुस्लिमों को मार डालेंगे? पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? चुनाव आयोग क्या कर रहा है? क्या चुनावों में ऐसे बयानों की अनुमति है? हम चाहेंगे कि चुनाव आयुक्त इस बयान पर संज्ञान लें और कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी ओछी हरकत पर उतर आया है। उसे एहसास हो गया है कि इस बार उनके लिए 200-250 सीटें पार करना मुश्किल है।

ओवैसी बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे : प्रियंका

असदुद्दीन ओवैसी को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं आपको बार-बार बता रही हूं। वह सीधे तौर पर बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जहां भी भाजपा को अन्य दलों को पीछे धकेलने के लिए किसी को मैदान में उतारने की जरूरत है, वह ऐसा कर रहे हैं। तेलंगाना चुनाव में ये बात बिल्कुल साफ हो गई है। पीएम मोदी के राहुल गांधी ने अंबानी-अडानी को गाली देना बंद किया वाले बयान पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि पीएम मोदी भी उनका नाम लेने को मजबूर हैं। उन्होंने जो कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम लेना बंद कर दिया है, ये बिल्कुल गलत है। वह हर दिन उनके बारे में बोल रहे हैं।

हमें बताएं कि हमें कहां आना है : ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नवनीत राणा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, मैं मोदी जी से कहता हूं कि उन्हें 15 सेकेंड का समय दीजिए। आप क्या करेंगे? 15 सेकंड की बजाय एक घंटा ले लीजिए। हम भी देखना चाह रहे हैं कि क्या आपके अंदर कोई इंसानियत बची है। उन्होंने कहा, कौन डर रहा है? हम तैयार हैं। अगर कोई खुलेआम ऐसा कह रहा है तो ऐसा ही सही। प्रधानमंत्री आपके हैं, आरएसएस आपका है, सब कुछ आपका है। आपको कौन रोक रहा है? हमें बताएं कि हमें कहां आना है, हम वहां होंगे। जो करना है कर लेना।

बहनजी सर्वसमाज की सर्वमान्य नेता : आनंद

» बोले- बसपा प्रमुख का आदेश सर्वोपरि व स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी के पद से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद का बयान सामने आया है। पद से हटाए जाने के बाद पहली बार आकाश आनंद ने कोई बयान जारी किया है। मायावती के आदेश को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने इस आदेश को स्वीकार किया है। सिर्फ यही नहीं आकाश आनंद ने मायावती को सर्वमान्य नेता कहा है। इस संबंध में आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर ट्वीट भी किया।

आदरणीय बहन जी, आप पूरे बहुजन समाज के लिए एक आदर्श हैं, करोड़ों देशवासी आपको पूजते हैं। आपके संघर्षों की वजह से ही आज हमारे समाज को एक ऐसी राजनैतिक ताक़त मिली है जिसके बूते बहुजन समाज आज सम्मान से जीना सीख पाया है। बता दें कि हाल ही में यानी 7 में को बहुजन समाज पार्टी की मुखिया

मायावती ने बड़ा एक्शन लिया था जिसके तहत उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटाया था। उसकी जानकारी मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी थी। एक पोस्ट में मायावती ने लिखा था कि आंदोलन के हित को ध्यान में रखते हुए और परिपक्वता आने तक आकाश आनंद को दोनों जिम्मेदारियां से अलग रखा जाएगा। मायावती ने अपने पोस्ट में कहा था कि बीएसपी एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी मूवमेन्ट है जिसके लिए मान्य. श्री कांशीराम जी व मैंने खुद भी अपनी पूरी ज़िन्दगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है। अगले पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि इसी क्रम में पार्टी में, अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही, श्री आकाश आनन्द को नेशनल कोओर्डिनेटर व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया, किन्तु पार्टी व मूवमेन्ट के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्व ता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है। जबकि इनके पिता आनन्द कुमार पार्टी व मूवमेन्ट में अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह ही निभाते रहेंगे। अत: बीएसपी का नेतृत्व पार्टी व मूवमेन्ट के हित में एवं बाबा साहेब डा. अम्बेडकर के कारवाँ को आगे बढ़ाने में हर प्रकार का त्याग व कुर्बानी देने से पीछे नहीं हटने वाला है।

मायावती ने विफलता को ढकने के लिए आकाश आनंद को हटाया : अखिलेश

इसके पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस चुनाव में बसपा के हाथ से बाजी निकल चुकी है। मायावती का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि बसपा के शीर्ष नेतृत्व ने इस विफलता के कारण ही संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। उनका इशारा आकाश आनंद को मायावती के उत्तराधिकारी के साथ-साथ बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाने की ओर था। अखिलेश सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में आगे लिखते हैं कि सच तो ये है कि जब बसपा का प्रभाव क्षेत्र होते हुए भी पिछले तीन चरणों में उनकी एक भी सीट नहीं आ रही है, तो फिर बाकी के चार चरणों में तो कोई संभावना बचती ही नहीं है।

बसपा बोली- अपने परिवार की चिंता करें अखिलेश

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को नेशनल कोआर्डिनेटर के पद से हटाने पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बसपा संगठन में क्या कुछ चल रहा है, इस पर घोर दलित विरोधी सपा अगर कोई टिप्पणी व चिंता नहीं करे तो बेहतर होगा। इसके बदले सपा नेतृत्व को चुनाव में उतारे गए उनके अपने परिवार व उनके यादव समाज के प्रत्याशियों का क्या हाल है, इसकी केवल चिंता करें क्योंकि उन सबका हाल बेहाल है। बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि सपा का चाल, चरित्र व चेहरा हमेशा की तरह आज भी दलित, अति-पिछड़ा व संविधान में इनको दिए गए आरक्षण आदि के अधिकारों की विरोधी पार्टी का है। प्रमोशन में आरक्षण को खत्म करना तथा इस संबंध में बिल को संसद में फाड़ना आदि इनके ऐसे कार्य हैं, जिसे माफ करना मुश्किल है। साथ ही, बसपा सरकार द्वारा बहुजन समाज में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के आदर-सम्मान में उनके नाम पर यूपी में बनाए गये जिलों, पार्कों, विश्वविद्यालयों आदि के नाम को जातिवादी सोच के कारण बदलना सपा सरकार के ऐसे कृत्य हैं, जो इतिहास में काले कारनामे के रूप में दर्ज हैं।

जाटव मतदाताओं पर सपा की नजर

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बसपा पर और भी तीखा हमला बोला है। इसके पीछे की वजह जाटव मतों में सेंध लगाने की कोशिश है, जो कि दलित मतदाताओं में करीब 55 फीसदी हैं। यही वजह है कि सपा अध्यक्ष संविधान बचाने की बात भी अपनी हर सभा में कर रहे हैं।अखिलेश ने बुधवार को बसपा पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि इस चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिल रही है। दरअसल, सपा नेतृत्व का मानना है कि जाटव मतदाताओं के बीच संविधान बचाने का नारा काफी असर दिखा रहा है। वहीं, कई सीटों पर बसपा के प्रत्याशी सीधे सपा का खेल बिगाड़ रहे हैं।सपा सूत्रों का कहना है कि अगर जाटव मतदाताओं के बीच यह संदेश चला जाए कि बसपा नेतृत्व भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए प्रत्याशी उतार रहा है, तो संविधान बचाने के लिए जाटव मतदाता भी सपा के साथ आ सकते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि आने वाले समय में सपा सुप्रीमो अखिलेश समेत अन्य नेता भाजपा पर और भी तीखे हमले बोलेंगे।

रंजन यादव ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

» पाटलिपुत्र से लालू यादव को हराने वाले जदयू नेता राजद में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पाटलिपुत्र से लालू यादव को हराने वाले रंजन यादव राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) में शामिल हो गए हैं। इससे पहले, पाटलिपुत्र निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद 2022 में जेडीयू में लौट आए थे। अब, दो साल बाद, वह फिर से कूदने के लिए तैयार हैं। यादव ने 2009 में जद (यू) के साथ पारी खेली थी और तत्कालीन बिहार के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव को हराकर पार्टी चिन्ह पर पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था।

जेडीयू में शामिल होने से पहले वह एलजेपी में थे। 2014 में नीतीश कुमार द्वारा राजद और कांग्रेस के साथ महागठबंधन बनाने के बाद उन्होंने जदयू छोड़ दिया। जद (यू) छोड़ने के बाद, उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी – जनता दल राष्ट्रवादी बनाई। रंजन प्रसाद यादव भारत की 15वीं लोकसभा के सदस्य थे। यादव बिहार के पाटलिपुत्र निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे और जनता दल (यूनाइटेड) राजनीतिक दल के सदस्य हैं। पटना विश्वविद्यालय के साइंस कॉलेज से शिक्षा प्राप्त यादव ने भूविज्ञान में एमएससी करने के बाद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने प्रोफेसर के रूप में काम किया।

स्वामी के खिलाफ बसपा ने उतारा उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीएसपी ने गुरुवार की सुबह लोकसभा चुनाव के लिए अपने दो और उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है. बीएसपी ने इस लिस्ट में कुशीनगर और देवरिया सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया है. इस लिस्ट के सामने आते ही स्वामी प्रसाद मौर्य को बड़ा झटका लगा है, बीते कई दिनों से उनके बीएसपी के साथ जाने और कुशीनगर से उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी।

दरअसल, कुछ दिनों से स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और बीएसपी के बीच गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही थी. लेकिन गुरुवार को जब बीएसपी ने अपने दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया तो इन अटकलों पर विराम लग गया। हालांकि इससे पहले मंगलवार को ही स्वामी प्रसाद मौर्य ने ऐलान कर दिया था कि वह कुशीनगर सीट से नौ मई को नामांकन करेंगे। बीएसपी ने अपनी दूसरी लिस्ट में दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। पार्टी ने कुशीनगर सीट से शुभ नारायण चौहान और देवरिया सीट से संदेश यादव उर्फ मिस्टर को अपना उम्मीदवार बनाया है। हालांकि इंडिया गठबंधन और एनडीए ने इन दोनों ही सीटों पर पहले ही उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है।

एनडीए से विजय और इंडिया गठबंधन से अजय प्रताप प्रत्याशी

गौरतलब है कि बीजेपी ने कुशीनगर सीट से विजय दुबे को अपना उम्मीदवार बनाया है। विजय दुबे ने इस सीट से अपना नामांकन भी कर दिया है। जबकि दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी के टिकट पर कुशीनगर से अजय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सैंथवार चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि देवरिया सीट से बीजेपी ने शशांक मणि त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस के टिकट पर अखिलेश प्रताप सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों ही सीटों पर सातवें और अंतिम चरण में चुनाव होगा. इस चरण के तहत एक जून को वोट डाले जाएंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जनता भाजपा की हर चाल समझ चुकी है: सप्पल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव गुरुदीप सप्पल ने कहा है कि तीन चरणों के चुनाव में साफ हो गया है कि जनता भाजपा की हर चाल समझ गई है। भाजपा का अच्छे दिन का नारा महंगाई में बदल गया।

» महंगाई में बदल गया अच्छे दिनों का नारा

भाजपा जम्मू में उम्मीदवार नहीं उतार पा रही है। प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल पहले कहा था कि बेटी बचाओ, अब कहानी मणिपुर तक पहुंच गई है। शहरों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। सफाई प्रदूषण चरम पर है। टैक्स अब आतंक का रूप बन गया है। मोदी ने बुलेट ट्रेन का सपना दिखाया अब उससे चलाना दूभर हो गया है। सब्सिडी खत्म कर दी गई है। हर मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल है। देश पर कर्ज चार गुना हो गया है। 2014 से 24 में कुल कर्ज बढ़कर 205 लाख करोड़ हो गया है।कांग्रेस के घोषणा पत्र में लोगों की रुचि बढ़ी है लेकिन मोदी खुद अपने भाषण में भाजपा के मेनिफेस्टो की बात नहीं कर रहे हैं। देश का उत्पादन घट रहा है इसलिए बेरोजगारी चरम पर है। ये बेरोजगार भाजपा का बोरिया बिस्तर बांध देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हर सामान चीन से मंगा रही है। यहां के कारोबार बंद कर रही है।

गिरते वोटिंग का जिक्र, बढ़ा रहा फिक्र

तीसरे दौर में 2019 की अपेक्षा मतदान में 5 प्रतिशत की गिरावट

- 2019 में जहां इन्हीं सीटों पर 67 प्रतिशत वहीं इस बार लगभग 62 फीसदी ने ही मताधिकार का इस्तेमाल किया
- सियासी दलों व नेताओं की नींद उड़ी
- आगे के चरणों के लिए तलाशे जाने लगे मुद्दे
- तेज होगी जुबानी जंग प्रचार में आई तेजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीसरे चरण का मतदान हो चुका है। इसबार फिर 2019 की अपेक्षा वोटिंग प्रतिशत गिरी है। इस गिरावट से सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक परेशान है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम व वोटर में चुनाव के प्रति उदासीनता की वजह से वोटिंग कम हो रही है। पर सियासी दल व नेता अपनी-अपनी पार्टियों की जीत के दावें कर रहे हैं। उधर आगे की चरणों की मद्देनजर नेताओं ने फिर कमर कस ली है। भाजपा नीत राजग गठबंधन व कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने चुनावी प्रचार तेज कर दिया है। मोदी कांग्रेस व राहुल गांधी को घेर रहे हैं तो कांग्रेस के सभी बड़े नेता बीजेपी व पीएम पर तीखा प्रहार कर रहे हैं।

उधर विशेषज्ञों की माने तो उनका कहना है कि जैसा सोचा जा रहा था, वैसा एकतरफा चुनाव बिल्कुल नहीं है, विपक्ष भी लड़ता दिख रहा है। महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे कई टक्कर वाले राज्य में मुकाबला काफी नजदीकी हो गया है। वहीं अब प्रचार इतने चरम पर पहुंच गया है कि कल तक जहां राहुल अडानी व अंबानी को लेकर पीएम मोदी को घेर रहे थे पर अब वह उन दोनों का नाम लेकर राहुल गांधी पर ही हमलावर हो गए हैं। बता दें कि चौथे दौर का मतदान 13 मई को है।

असम के धुबरी में सबसे ज्यादा 79.7 प्रतिशत मतदान

तीसरे चरण में सबसे अधिक मतदान असम के धुबरी लोकसभा सीट पर हुआ है. यहां 79.7 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं गुजरात की अमरेली सीट पर सिर्फ 46.1 प्रतिशत लोग ही वोट के लिए घर से बाहर निकले। अभी तक के आंकड़ों के हिसाब से इन तीन चरणों में जो सबसे बड़ी बात देखने को मिली, वो ये कि मतदान का प्रतिशत इन तीनों ही चरणों में 2019 के मुक़ाबले कम ही रहा है। 2019 में लगातार बढ़ते चरण के साथ मतदान का प्रतिशत गिरता गया था और इस बार भी कम ही है। 2019 और 2024 में अंतर ये है कि 2019 में तीन चरण तक 302 सीटों पर मतदान हो चुका था, जबकि इस बार तीन चरण तक 282 सीटों पर ही वोटिंग हुई है।

चुनाव में लोगों की दिलचस्पी भी घट रही!

चुनाव विश्लेषकों ने कहा कि वोट प्रतिशत कम होने के कई कारण हैं। एक तो लोग भीषण गर्मी को वजह बता रहे हैं, वहीं कहा जा रहा है कि राजनीतिक गर्मी भी इस बार उतना गरम नहीं है, लोगों के मन में नेताओं और पार्टियों को लेकर विश्वास भी पहले जैसा नहीं रहा है, इसके कई कारण हो सकते हैं। विश्लेषक ने कहा कि चुनाव सभी के लिए महत्वपूर्ण होना चाहिए, लेकिन गिरता वोट प्रतिशत बता रहा है कि चुनाव में लोगों की दिलचस्पी भी घट रही है। गर्मी या उदासीनता के अलावा भी इसके कई कारण हो सकते हैं। इस बीच जहां महाराष्ट्र में बेहद कम लोगों ने वोट किया है, वहीं असम और पश्चिम बंगाल में अब भी बड़ी तादाद में वोटरों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। लेकिन ओवरऑल मतदाताओं में उदासीनता साफ दिखाई दे रही है। 2014 में यूपीए-2 के खिलाफ लोगों में नाराजगी थी और नरेंद्र मोदी पर मुख्य फोकस था। वहीं 2019 में पुलवामा और सर्जिकल स्ट्राइक की वजह से एक नेशनल प्राइड के मुद्दे को लेकर उत्साह था, लेकिन इस बार कोई लहर नहीं दिख रही है, हालांकि ऐसा भी नहीं है कि बीजेपी के लिए लोग वोट नहीं कर रहे हैं, लेकिन पिछले दो चुनावों की तरह नहीं है।

283 सीटों के लिए वोटिंग खत्म

अब तक 18वीं लोकसभा के लिए हो रहा चुनाव अपना आधा से ज्यादा सफ़र पूरा कर चुका है। तीसरे चरण में मंगलवार को 12 राज्यों की 94 सीटों पर मतदान पूरा होने के साथ ही 543 सदस्यों की लोकसभा की 283 सीटों के लिए वोटिंग का काम पूरा हो गया। लोकसभा में बहुमत के लिए 272 सदस्यों की जरूरत होती है और 283 सीटों पर मतदान हो चुका है। अब बाकी चार चरणों में 260 सीटों पर वोट डाले जाने हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि तीन चरण के मतदान के बाद किस गठबंधन का पलड़ा भारी है और लगातार घटते मतदान प्रतिशत के क्या मायने हैं? लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में इस बार वोटिंग प्रतिशत 5 फीसदी से ज्यादा गिर गया। 2019 में जहां इन्हीं सीटों पर 67 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, वहीं इस बार लगभग 62 फीसदी ही लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सबसे अधिक मतदान असम में 75 प्रतिशत और सबसे कम मतदान महाराष्ट्र 53.7 प्रतिशत रहा। अन्य राज्यों की बात करें तो वहां भी मतदान प्रतिशत में कमी आयी है। 2019 के मुक़ाबले इस बार असम में 10.2 प्रतिशत, बिहार में 4.9प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 4.0प्रतिशत, दादरा और नागर हवेली में 11.9प्रतिशत, गोवा में 2.2प्रतिशत, गुजरात में 8.7प्रतिशत, कर्नाटक में 2.5प्रतिशत, महाराष्ट्र में 10.2प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.2प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 3.9प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 7.8प्रतिशत घटा है।

चुनाव एकतरफा नहीं, लड़ता दिख रहा है विपक्ष

चुनाव विश्लेषकों ने कहा कि जैसा सोचा जा रहा था, वैसा एकतरफा चुनाव बिल्कुल नहीं है, विपक्ष भी लड़ता दिख रहा है। वहीं कई जगह लोगों के असंतोष भी सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे कई टक्कर वाले राज्य में मुकाबला काफी नजदीकी हो गया है। आरक्षण और संविधान भी बड़ा मुद्दा बनता दिख रहा है। आगे के चरणों में मुसलमान को आरक्षण सहित कई और भी इशू चुनाव में चर्चा के केंद्र में होंगे।

यूपी में जातीय गणित में उलझे प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में भी वोटों का ध्रुवीकरण होता नजर आया। मतदाताओं ने प्रत्याशियों से ज्यादा राजनीतिक दलों के बड़े चेहरों को तवज्जो देते हुए मतदान किया। संभल में सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की मृत्यु के बाद चुनाव में सहानुभूति लहर का असर दिखा और मतदाताओं ने भीषण गर्मी की परवाह किए बिना मतदान किया। वहीं बरेली में मुकाबला सबसे रोचक होता नजर आया। यहां बसपा प्रत्याशी के मैदान से बाहर होने की वजह से दलित वोट किंगमेकर बन गया। इसी तरह बदायूं में भी भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय सिंह और सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के बीच कड़ा मुकाबला देखने को

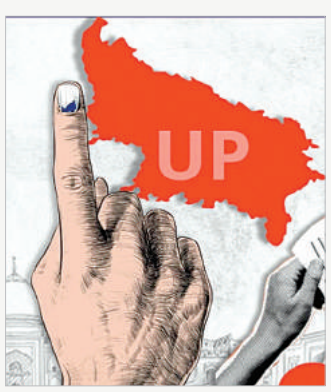

मिला। तीसरे चरण में चुनाव का बहिष्कार होने के तमाम मामले सामने आए, तो वहीं दूसरी ओर मैनपुरी में कई जगहों पर झड़प की सूचना मिली है।

कमल और साइकिल में हर ओर मुकाबला

एटा में भाजपा, सपा गठबंधन एवं बसपा सहित 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। हालांकि मंगलवार को मतदान के दौरान लड़ाई सिर्फ कमल और साइकिल में ही दिखाई दी। पांचों विधानसभाओं में मतदाताओं के रुझान देखकर यह स्पष्ट है कि बसपा प्रत्याशी मो. इरफान एडवोकेट चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में सफल नहीं हो सके। मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह और सपा गठबंधन प्रत्याशी देवेश सिंह शाक्य के बीच ही नजर आया। फिरोजाबाद में भाजपा प्रत्याशी ठाकुर विश्वदीप सिंह व सपा प्रत्याशी अक्षय यादव के बीच लड़ाई है। बसपा प्रत्याशी चौधरी बशीर बड़ा उलटफेर करते नहीं दिखे। ठाकुर विश्वदीप सिंह को अपनी बिरादरी के वोट तो मिले, लेकिन लोधे राजपूत समाज ने उनका अंदरखाने विरोध भी किया। वहीं सपा को यादव के साथ-साथ इस बार मुस्लिम समुदाय का वोट भी मिला है। इसके अलावा बघेल, लोधे राजपूत, निषाद व अति पिछड़ा में शुमार सैनी, शाक्य आदि वोटों में भी सेंधमारी की। इससे सपा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मिलावट की खबर से गिर रही दुनिया में देश की साख

अभी कुछ दिनों पहले भारत के कुछ खाद्य पदार्थों पर सिंगापुर व हांगकांग जैसे देशों में प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके पीछे जो कारण बताया गया वह यह कि इन चीजों में मिलावट थी। मिलावट इतनी खतरनाक मानी गई वह मानव जीवन के लिए घातक है। खैर ये तो जांच में ही पता चलेगा कि इसमें कितनी सच्चाई है पर जो भी हो इससे देश की शान में बट्टा जरूर लग गया है। नीति नियंताओं को अब इस पर विचार कर ऐसा यंत्र विकसित करने की जरूरत है जिससे ऐसा अमनावीय कृत करने वाले पकड़ में आएं और कड़ी से कड़ी सजा भी पाएं। दरअसल देखा गया है कि मिलावट करने वालों को न तो कानून का भय है और न आम आदमी की जान की परवाह है। दुखद एवं विडम्बनापूर्ण तो ये स्थितियां हैं जिनमें खाद्य वस्तुओं में मिलावट धड़ल्ले से हो रही है और सरकारी एजेन्सियां इसके लाइसेंस भी आंख मूंदकर बांट रही है। भारतीय मसालों की गुणवत्ता की साख जब दुनिया में धुंधली हुई है, मिलावटी मसालों पर देश से दुनिया तक बहस छिड़ी हुई है, तब दिल्ली में मिलावट के एक बड़े मामले का पर्दापाश होना न केवल चिंताजनक है बल्कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये शर्मनाक है।

भारत में मिलावट का मामला मसालों तक ही सीमित नहीं है। मिलावटखोरों ने दवाइयों, तेल, घी, दूध, मिठाइयों से लेकर अनाज तक किसी चीज को नहीं छोड़ा है। हर साल त्योहारों पर देशभर से मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों की खबरे आती हैं। प्रश्न है कि आखिर मिलावट का बाजार इतना धडल्ले से क्यों पनप रहा है, क्यों सिस्टम लाचार है, मिलावटखोरी का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है? लोकसभा चुनाव के दौरान मिलावट की त्रासद एवं जानलेवा घटनाओं का उजागर होना, क्यों नहीं चुनावी मुद्दा बनता?कह तो सभी यही रहे हैं, बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। लेकिन इस बड़े सच रोटी यानी पेट भरने की खाद्य-सामग्री को मिलावट के कारण दूषित एवं जानलेवा कर दिया गया है। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट मुनाफाखोरी का सबसे आसान जरिया बन गई है। खाने-पीने की चीजें बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। मिलावट का धंधा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी फैला हुआ है और इसकी जड़े काफी मजबूत हो चुकी हैं। सब नकली, धोखा, गोलमाल ऊपर से सरकार एवं संबंधित विभाग कुंभकरणी निद्रा में है। मिलावटी खाद्य पदार्थ धीमे जहर की तरह हैं। ये दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों, अल्सर, कैंसर वगैरह की वजह बन सकते हैं। खाने वालों को आभास भी नहीं होता कि वे धीरे-धीरे किसी गंभीर बीमारी की ओर जा रहे हैं। इन सबको रोकने के लिए आम जन से लेकर शासन स्तर पर तेजी दिखानी होगी।

संजय

> मिलावट इतनी खतरनाक मानी गई वह मानव जीवन के लिए घातक है। खैर ये तो जांच में ही पता चलेगा कि इसमें कितनी सच्चाई है पर जो भी हो इससे देश की शान में बट्टा जरूर लग गया है। नीति नियंताओं को अब इस पर विचार कर ऐसा यंत्र विकसित करने की जरूरत है जिससे ऐसा अमनावीय कृत करने वाले पकड़ में आएं और कड़ी से कड़ी सजा भी पाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सृजन विरोधी सफलता के सपनों का कारोबार

अविजीत पाठक

जैसा कि होता है, यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम मीडिया और लोगों का ध्यान खींचते हैं, 'टॉपर्स' के दमकते चेहरों की फोटो चहुंओर दिखने लगती है- ब्रांड बन चुके कोचिंग सेंटरों की ओर से जारी विज्ञापनों से शहरों में बिल बोर्ड्स से लेकर अग्रणी अखबारों के मुखपृष्ठ तक पट जाते हैं। यही कुछ विभिन्न शिक्षा बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के परीक्षा परिणाम आने पर होता है, तब भी यह प्रक्रिया दोहराई जाती है- अर्थात् भौतिकी, रसायन, गणित और जीव-विज्ञान में शानदार प्रदर्शन कर दिखाने वाले 'टॉपर्स' किशोर-किशोरियों की 'सफल' छवि का निर्माण करना! ऐसी 'सफलता गाथाएं' सुन-सुनकर मैं थक चुका हूं, बल्कि, मेरी रुचि व्यवस्था की वह नब्ज़ पकड़ने में है, जो चुनींदा 'सफलता' की चकाचौंध फैलाकर वास्तव में 'असफलता' का निर्माण कर रही है।

गौरतलब है, भारत भर में यूपीएससी कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3000 करोड़ है। यदि दिल्ली के मुखर्जी नगर और करोल बाग की छोटी-बड़ी गलियों में जाएं और युवा अभ्यर्थियों से बात करें जो भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर, पीएचडी, यूनिवर्सिटी विद्यार्थी बनना चाहते हैं तब आपको महसूस होगा 'सफलता के सपने' की ताकत का, जिसके जरिये कोचिंग सेंटरों के नामचीन गुरुओं ने अपने नोट्स, लेक्चर, गाइड पुस्तकों, इंटरव्यू रणनीति और यहां तक कि अपने प्रेरणास्पद भाषणों से इन चाहवानों को फांस रखा है। बहरहाल, यह सपना खूब बिक रहा है क्योंकि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जो 'ताकत' की पूजा करता है- जरूरी नहीं वह ताकत ज्ञान और अक्ल की हो, वह राजनीतिक-प्रशासनिक एवं आर्थिक भी हो सकती है। छोटे शहरों और गांवों के असंख्य मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए, यह बहुत मायने रखता है यदि उनका बेटा या बेटी जिला उपायुक्त या पुलिस कप्तान बन जाए, क्योंकि इस पद के साथ ताकत, विशेषाधिकार और ग्लैमर स्पष्ट रूप से जुड़े हैं। इससे स्थानीय समाज में उनका रुतबा और हैसियत ऊंची हो जाती है।

बेशक, यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की मिथकीय सफलता का अपना सम्मोहन है। हालांकि, अनुपात के हिसाब से 'सफल' होने वालों की संख्या बहुत कम है (मसलन, 2023 में 13 लाख अभ्यर्थी यूपीएससी की प्री-लिम परीक्षा में बैठे थे लेकिन आखिर में 1016 ही चुने गए), फिर भी यह धंधा फल-फूल रहा है। जहां हम 'सफलता गाथाओं' की महिमा गाते हैं, वहीं कोचिंग की ये दुकानें असफल रहे उम्मीदवारों का कितना मानसिक एवं बौद्धिक नुकसान कर रही हैं, उस पर गौर करने में विफल रहते हैं।

इस बीच इतिहास, भूगोल, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान व सामान्य ज्ञान के नोट्स रात-दिन रटते हैं, भारी मात्रा में पैसा लगता है, फिर भी बारम्बार असफल होते हैं! हां, यह अमानवीय और मशीनी तंत्र उन्हें खत्म कर रहा है- मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक रूप से। इनमें कइयों के लिए, असफलता के आघात से जख्मी हुए स्वाभिमान से उबरना, उम्मीद एवं रचनात्मकता के साथ जीवन को पुन: परिभाषित करना मुश्किल हो जाता है। आगे, समूचा तंत्र उच्चतर शिक्षा के मूल उद्देश्य को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। अवश्य ही, यदि कोई आईआईटी-कानपुर से इंजीनियर अथवा नई दिल्ली के एम्स से डॉक्टर बनकर निकले या पुलिस अफसर या टैक्स कमिश्नर बने, तो यह 'देवत्व' पाने जैसा नहीं है। इसी प्रकार, यदि किसी अग्रणी यूनिवर्सिटी से इतिहास का छात्र सिविल परीक्षा की तैयारी के चक्कर में, अपनी सामान्य कक्षाएं लगातार न लगाए, एरिक हॉब्सबॉम या इरफान हबीब जैसों को भूल जाए, और मुख्य ध्यान सिर्फ कोचिंग सेंटरों के रणनीतिकारों द्वारा दिए नोट्स या कुंजियों पर केंद्रित रखे (हां, यू-ट्यूब पर ऐसे कइयों के लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं), यह संकेतक है नुकसान की उस तीव्रता का जो कोचिंग सेंटरों के धंधेबाजों ने हमारे विश्वविद्यालयों में खोजपरक अध्यापन और अनुसंधान की प्रगति का कर डाला है।

हम यह भूल चुके हैं कि एक जीवंत राष्ट्र को जरूरत है महान भौतिक विज्ञानी, राजनीतिक दर्शनशास्त्रियों, समाज शास्त्रियों और साहित्य आलोचकों की- न कि केवल जिला आयुक्तों और पुलिस कमिश्नरों की। अफसोस कि सामाजिक-डार्विनवाद के सिद्धांत से पनपी इस किस्म की परम-प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता स्कूली विद्यार्थियों तक की आत्म-धारणा में बदलाव ला रही है। उन तरीकों को देखिये, जिस तरह बिल बोर्डों पर बोर्ड परीक्षा के 'टॉपर्स' की छवियां चस्पां की जाती हैं या मानक बना दिए गए जेईई एवं नीट जैसे टेस्टों का निर्माण किया गया है, यह तरीका है लड़के-लड़कियों को रातों-रात 'सितारा' बनाने का और 'विशेष' होने का यकीन करवाने का खेल है।

कुछ गाद हटे तो पानीदार बन जाएगा समाज सहेजें पुरखों की जलनिधि

गर्मी और सूखती जल निधियों के प्रति यदि समाज आज सक्रिय हो जाए तो अगली गर्मी में उन्हें यह संकट नहीं झेलना होगा। एक बात समझ लें प्रकृति से जुड़ी जितनी भी समस्या हैं उनका निदान न वर्तमान के पास है न भविष्य के। इसके लिए हमें अतीत की ही शरण में जाना होगा। थोड़ी गाद हटानी होगी-कुछ सूख चुकीं हमारे पुरखों द्वारा बनाई जल निधियों से और कुछ अपनी समझ से- देखें थोड़ी भी बरसात हुई तो समाज पानीदार बन सकता है।

पंकज चतुर्वेदी

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की हजार करोड़ की 'हर घर जल योजना' ने बढ़ते ताप के सामने लाचारगी जाहिर की। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसदी हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गर्मी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता है- बारहों महीने यहां जेठ ही रहता है। समझना होगा कि एक अरब 44 करोड़ की विशाल आबादी को पानी देना महज सरकार के जिम्मे नहीं छोड़ा जा सकता। गर्मी और सूखती जल निधियों के प्रति यदि समाज आज सक्रिय हो जाए तो अगली गर्मी में उन्हें यह संकट नहीं झेलना होगा। एक बात समझ लें प्रकृति से जुड़ी जितनी भी समस्या हैं उनका निदान न वर्तमान के पास है न भविष्य के। इसके लिए हमें अतीत की ही शरण में जाना होगा। थोड़ी गाद हटानी होगी-कुछ सूख चुकीं हमारे पुरखों द्वारा बनाई जल निधियों से और कुछ अपनी समझ से- देखें थोड़ी भी बरसात हुई तो समाज पानीदार बन सकता है।

कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है- तालाब, कुएं, बावड़ी। लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए। अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल- परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल प्रणालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर एक जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो ईसा से 3000 से 1500 साल पूर्व में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन प्रणालियों के अवशेष मिले हैं।

ईसा से 321-297 साल पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है जो बताता है कि तालाबों को राज्य की जमीन पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढ़ने का सामान जुटाता था। जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते, उन्हें राज्य-दंड मिलता। आधुनिक तंत्र की कोई भी जल संरचना 50 से 60 साल में दम तोड़ रही है जबकि चन्देलकाल अर्थात् 1200 साल से अधिक पुराने तालाब आज भी लोगों को जिंदगी का भरोसा दिए हुए हैं। उन दिनों उन्नत जल-विज्ञान और कुशल जलविज्ञानी का पूरा समाज था जो मिट्टी और जलवायु की बेहतरीन समझ रखते थे।

अंग्रेज शासक चकित थे, यहां के तालाबों की उत्तम व्यवस्था देख कर। उन दिनों कुओं के अलावा सिर्फ तालाब ही पेयजल और सिंचाई के साधन हुआ करते थे। फिर आधुनिकता की आंधी में सरकार और समाज दोनों ने तालाबों को लगभग बिसरा दिया, जब आंख खुली तब बहुत देर हो चुकी थी। अभी एक सदी पहले तक बुंदेलखंड के इन तालाबों की देखभाल का काम पारंपरिक रूप से ढीमर समाज के लोग करते थे। वे तालाब को साफ रखते, उसकी नहर, बांध, जल आवक को सहेजते-एवज में तालाब की मछली, सिंघाड़े और समाज से मिलने वाली दक्षिणा पर उनका हक होता। इसी तरह प्रत्येक इलाके में तालाबों को सहेजने का जिम्मा समाज के एक वर्ग ने उठा रखा था और उसकी रोजी-रोटी की व्यवस्था वही समाज करता था, जो तालाब के जल का इस्तेमाल करता था। तालाब तो लोक की संस्कृति सभ्यता का अभिन्न अंग हैं और इन्हें सरकारी बाबुओं के लाल बस्ते की बदौलत नहीं छोड़ा जा सकता। यह सर्वविदित है कि तालाबों में भरी गाद, सालों साल से सड़ रही पत्तियों और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के कारण ही उपजी है, जो उम्दा दर्जे की खाद है। गांव या शहर के रुतबेदार लोग जमीन पर कब्जा करने के लिए बाकायदा तालाबों को सुखाते हैं, पहले इनके बांध फोड़े जाते हैं, फिर इनमें पानी की आवक के रास्तों को रोका जाता है - न भरेगा पानी, न रह जाएगा तालाब। गांवों में तालाब से खाली हुई उपजाऊ जमीन लालच का कारण होती है तो शहरों में बिल्डर-भूमाफिया इसे सस्ता सौदा मानते हैं। यदि जल संकट ग्रस्त इलाकों के सभी तालाबों को मौजूदा हालात में भी बचा लिया जाए तो वहां के हर इंच खेत को तर सिंचाई, हर कंठ को पानी और हजारों हाथों को रोजगार मिल सकता है। एक बार मरम्मत होने के बाद तालाबों के रखरखाव का काम समाज को सौंपा जाए। जरूरत इस बात की है कि आधुनिकता की आंधी के विपरीत दिशा में 'अपनी जड़ों को लौटने' की इच्छाशक्ति विकसित करनी होगी।

इन हनुमान मंदिरों में स्वयं प्रकट हुए बजरंगबली

हनुमानगढ़ी, अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में प्रभु राम का जन्म हुआ था। 14 वर्ष के वनवास के बाद जब भगवान राम माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ वापस अयोध्या गए तो हनुमान जी को भी साथ ले गए। कहते हैं कि हनुमानजी अयोध्या की रक्षा स्वयं यहां वास करके करते हैं। इस मंदिर की स्थापना करीब 300 साल पहले स्वामी अभयारामदास ने की थी। रामलला के दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों की तीर्थ तब तक सम्पन्न नहीं होता, जब तक वह हनुमानगढ़ी के दर्शन नहीं करते।

वैशाख के बाद हिंदू नववर्ष का तीसरा महीना ज्येष्ठ मास शुरू होता है। मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित है लेकिन ज्येष्ठ के महीने में आने वाला हर मंगलवार हनुमान जी की पूजा के लिए पुण्यकारी बताया गया है। इन्हें बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल के नाम से भी जाना जाता है। बड़ा मंगल से हनुमान जी और श्रीराम से गहरा नाता है। इस दिन को हनुमान भगवान की पूजा के लिए सबसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता है? इन दिनों बजरंगबली की विशेष पूजा होती है। आप अपने निकटतम हनुमान मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना कर सकते हैं। इस मौके पर हनुमान मंदिरों के दर्शन का भी महत्व है। हनुमान जी के अधिकांश मंदिर भारत भर में स्थित हैं, लेकिन कुछ प्रमुख मंदिरों में यह उत्सव विशेष रूप से मनाया जाता है, जैसे कि अयोध्या का हनुमान गढ़ी, जोधपुर का हनुमान मंदिर, दिल्ली के रामपुरी का श्री हनुमान मंदिर, राजस्थान का बालाजी मंदिर आदि। कुछ हनुमान मंदिर काफी प्राचीन है और उन्हें लेकर मान्यता है कि यहां बजरंगबली स्वयं ही प्रकट हुए। इन मंदिरों में आज भी हनुमान जी के होने की मान्यता है। कहते हैं कि इन प्राचीन और चमत्कारी स्वयंभू हनुमान मंदिरों में दर्शन से बजरंगबली अपने भक्तों पर प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर

राजस्थान के दौसा जिले में मेहंदीपुर नाम की जगह है, जो कि दो पहाड़ियों के बीच बसा है। मेहंदीपुर में बालाजी का प्राचीन और चमत्कारी मंदिर स्थित है। मान्यता है कि यहां चट्टान पर स्वयंभू हनुमान जी की आकृति उभर आई थी। इस मंदिर का इतिहास करीब एक हजार साल पुराना है। बालाजी में देश के कोने कोने से भक्त अपनी परेशानी लेकर आते हैं और बालाजी महाराज उनके कष्टों का हरण करते हैं। यहां भैरव बाबा, प्रेतराज सरकार और कोतवाल कप्तान की पूजा भी होती है। इसके अलावा राजस्थान के ही चूरू जिले के सालासर गांव में हनुमान जी प्राचीन मंदिर है, जहां बजरंगबली की प्रतिमा स्वयंभू प्रकट हुई थी।

दिल्ली का हनुमान मंदिर

मूवी या सीरियल में दिल्ली के किसी हिस्से को दिखाने के लिए हनुमानजी की एक विशाल प्रतिमा जरूर दिखाई जाती है। दरअसल, यह प्रतिमा करोल बाग के हनुमान मंदिर की है। यूं तो देश में राम भक्त हनुमान की लाखों मूर्ति और लाखों मंदिर हैं, लेकिन करोल बाग में स्थित हनुमान मंदिर देश के सबसे मशहूर हनुमान मंदिरों में से एक है। मंदिर को संकट मोचन हनुमान धाम के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर अपनी 108 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इसमें हनुमान जी सीना चीरकर राम लक्ष्मण और देवी सीता के दर्शन कराते हुए दिख रहे हैं। हनुमान मंदिर करोल बाग मेट्रो स्टेशन और झंडेवाला मेट्रो स्टेशन के बीच में पड़ता है।

हंसना मना है

बाबा – दीदी एक रोटी दे दो, सुबह से भूखा हूं...! अंदर से आवाज आई – दीदी तेरी बैंक गई है, आज तो जीजा भी भूखा है...!

एक बनिये ने शेख को खून देकर उसकी जान बचाई... शेख ने खुश होकर उसे मर्सिडिज कार गिफ्ट की...! शेख को फिर खून की जरूरत पड़ी, बनिये ने फिर खून दिया। अबकी बार शेख ने सिर्फ लड्डू दिए...! बनिया (गुस्से से) – इस बार सिर्फ लड्डू...? शेख – बिरादर, अब हमारे अंदर भी बनिया का खून दौड़ रहा है...!

पत्नी की तबीयत कुछ खराब रहती थी, तो उसने पेंटर से अपनी एक तस्वीर बनवाई, फिर कुछ सोच कर पेंटर को कहा कि गले में नौलखा हार भी बना दो...! पेंटिंग बनने के बाद पेंटर ने पूछा–आपने ऐसा क्यों किया... पत्नी बोली–कभी मैं मर गयी तो मेरे पति दूसरी शादी कर लेंगे, नई वाली आएगी तो वो हार ढूंढेगी और मिलेगा नहीं तो झगड़ा होगा... तब मेरी आत्मा को सच्चा सुकून मिलेगा... इसे कहते हैं, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी...!!

एक बाबा औरतों पर ज्ञान दे रहे थे... औरतों के पास यदि अलादीन का चिराग होता तो... जिन्न या तो मेथी छांट रहा होता या फिर मटर छिल रहा होता...!!!

कहानी | श्री कृष्ण और कालिया नाग

श्री कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़े कई रोचक किस्से हैं। ऐसा ही एक किस्सा है कालिया नाग का। श्री कृष्ण ने अपनी लीला से उसका घमंड चूर-चूर कर दिया था, यह बात तब की है जब यशोदा के लला कन्हैया गोकुल में रहा करते थे। गोकुल के पास ही युमना नदी बहती है। एक बार यमुना को कालिया नाग ने अपना घर बना लिया और नदी के पानी को अपने विष से जहरीला कर दिया। उस पानी को पीकर पशु-पक्षी और गांव के लोग मरने लगे थे। एक बार श्री कृष्ण अपने दोस्तों के साथ खेलते-खेलते यमुना नदी के किनारे पहुंच गए और खेलते-खेलते अचानक से उनकी गेंद नदी में गिर जाती है। अब यमुना नदी के पानी और उसमें रहने वाले कालिया नाग के बारे में सभी को मालूम था। इसलिए, मौत के डर से कोई भी नदी में जाने को तैयार नहीं हुआ। तब श्री कृष्ण ने कहा कि मैं गेंद लेकर आता हूं। सभी बच्चों ने उन्हें नदी में जाने से रोका, लेकिन वह नहीं माने और नदी में छलांग लगा दी। सभी बच्चे डर के मारे घर पहुंचे और यशोदा मैया को कन्हैया के नदी में कूदने की बात बता दी। यह सुनते ही यशोदा मैया डर गई और फूट-फूट कर रोने लगीं। यह बात धीरे-धीरे पूरे गोकुल धाम में जंगल की आग की तरह फैल गई। सभी दौड़े-दौड़े यमुना नदी के किनारे आए गए, लेकिन कृष्ण अभी तक बाहर नहीं आए थे। वहीं, नदी में कृष्ण को देखकर कालिया नाग की पत्नियों ने उन्हें वापस जाने को कहा, लेकिन कृष्ण नहीं माने और तभी कालिया नाग जाग गया। कृष्ण ने कालिया नाग को यमुना नदी छोड़ने का आदेश दिया, लेकिन कालिया नाग ने मना कर दिया और कृष्ण को मारने के इरादे से उन पर हमला कर दिया। कृष्ण और कालिया नाग की जोरदार लड़ाई हुई। कुछ समय के बाद कालिया नाग हार गया और कृष्ण उसके फन पर नाचने लगे। कालिया नाग थकने के बाद कृष्ण से अपने प्राण बचाने के लिए प्रार्थना करने लगा। तब कृष्ण ने उसे अपने स्थान पर वापस जाने को कहा। कालिया ने कहा कि वहां पर गरुड़ मुझे मार डालेगा, मैं वहां कैसे जाऊं। इस पर कृष्ण ने कहा कि मेरे चरणों के निशान तुम्हारे फन पर हैं, उसे देखकर गरुड़ तुमको नहीं मारेगा। इसके बाद कालिया नाग श्री कृष्ण को अपने फन पर उठाकर यमुना नदी से बाहर आ गया और इसके बाद अपनी पत्नियों के साथ अपने स्थान पर चला गया। कृष्ण को सही सलामत वापस पाकर सभी बहुत खुश हुए और गोकुल में उत्सव मनाया गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
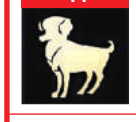
मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन
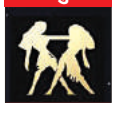
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु
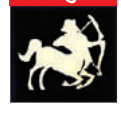
जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी।

मकर

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड का यह दौर अभिनेत्रियों के लिए अच्छा है : शबाना आजमी

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा शबाना आजमी साल 2024 में फिल्म इंडस्ट्री में 50 साल पूरा करने वाली हैं। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। शबाना आजमी अक्सर महिलाओं के हक के लिए बातें करती दिखाई देती हैं। हाल ही में उन्होंने आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण के बारे में कई बातें कहीं। साथ ही साथ वे बॉलीवुड में अभिनेत्रियों को मिलने वाली फीस पर भी अपने विचार रखती नजर आईं। शबाना आजमी का मानना है कि बॉलीवुड का यह दौर अभिनेत्रियों के लिए अच्छा है। इस समय मेनस्ट्रीम सिनेमा में हीरोइन के लिए बढ़िया किरदार लिखे जा रहे हैं। वे कहती हैं, आज बॉलीवुड में महिलाओं के लिए कई अलग तरह की भूमिकाएं लिखी जा रही हैं। अब अभिनेत्रियों के लिए उम्र की सीमा नहीं है। किसी भी उम्र की अभिनेत्री को अच्छे किरदार में देखा जा सकता है। शबाना आजमी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पहले बॉलीवुड की फिल्मों में महिलाओं को सोच कर बहुत कम किरदार लिखे जाते थे। अब आप देखिए दीपिका और आलिया कितने शानदार रोल निभाती नजर आती हैं। आने वाले दिनों में हीरो सेकंड लीड में नजर आएंगे। इसके लिए उन्हें तैयार रहना चाहिए। उनको काम करते हुए देखकर लगता है कि बॉलीवुड बदल रहा है। शबाना आजमी पिछले साल करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अहम भूमिका निभाती नजर आई थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे बॉलीवुड में अभिनेत्रियों को कम फीस मिलने पर क्या राय रखती हैं। इस सवाल के जवाब में शबाना कहती हैं, धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जब महिलाओं पर आधारित फिल्में बॉलीवुड में बनेंगी और बॉक्स ऑफिस पर भी बढ़िया प्रदर्शन करेंगी तब वेतन की असमानता भी खत्म हो जाएगी।

सोनाक्षी ने कपिल को दिया मजेदार जवाब

कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए एपिसोड का प्रोमो रिलीज हो चुका है। इस बार शो में सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, मनीषा कोइराला, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल नजर आएंगी। इन सभी ने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में काम किया है। शो के प्रोमो में कपिल शर्मा अभिनेत्रियों से दिलचस्प सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। प्रोमो की शुरूआत में सभी अभिनेत्रियां पानीपुरी के स्टॉल पर खड़ी नजर आ रही हैं। कपिल शर्मा को सोनाक्षी सिन्हा से उनकी शादी के बारे में भी सवाल करते हुए देखा जा सकता है। सोनाक्षी सिन्हा के साथ बातचीत करते हुए कपिल उन्हें छेड़ते हुए कहते हैं कि अब आलिया भट्ट की शादी हो चुकी है, कियारा ने भी शादी कर ली है, अब आप कब शादी करने वालीं हैं? हालांकि इससे पहले कि कपिल और सवाल पूछकर सोनाक्षी की टांगखिंचाई करते, शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी उन्हें तुरंत टोकते हुए कहती हैं, हां, तुम और जले पर नमक डाल दो। फिर वो अर्चना पूरण सिंह से कॉमेडियन की शिकायत करते हुए कहेंगी, कपिल अच्छे से जानता है कि मुझे कितनी जोर से शादी करनी है। उनकी ये बात सुनकर सभी खूब हंसेंगे। सोनाक्षी सिन्हा एक्टर जहीर इकबाल संग रिलेशनशिप में हैं। दोनों के अफेयर की खबरें साल 2022 में आई थीं और इसी के बाद सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर दोनों ने रिश्ते पर मुहर लगा दी थी। अब दोनों इवेंट में साथ ही नजर आते हैं।

बोलीं- वह जानता है मुझे कितनी जोर से शादी करनी है

मैं कितना खाती हूं बताना पसंद है : दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में उनके बेबी बंप की फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। दीपिका कभी अपनी फिल्म सिंघम अगेन को लेकर तो कभी प्रेग्नेंसी की खबर को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। दीपिका की फिल्म पीकू को आज रिलीज हुए पूरे 9 साल हो गए हैं। इस मौके पर मॉम टू बी दीपिका पादुकोण ने फिल्म पीकू की शूटिंग के दौरान की एक फोटो सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। साथ ही दीपिका ने इस फोटो को शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन के बारे में एक ऐसी बात लिखी कि उनका पोस्ट मिनटों में वायरल हो गया है। 8 मई 2015 को रिलीज हुई फिल्म पीकू को आज रिलीज हुए पूरे 9 साल हो गए हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने फिल्म पीकू की शूटिंग के दौरान की एक फोटो को साझा की है साथ ही अभिनेत्री ने इस फिल्म के दौरान हुआ एक मजेदार किस्सा भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

बॉलीवुड | मसाला

दीपिका ने एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर कि है इसमें अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और इरफान खान नजर आ रहे हैं। इस फोटो के साथ दीपिका ने कैप्शन में अमिताभ बच्चन के लिए लिखा कि उन्हें पसंद है बताना कि मैं कितना खाती हूं। साथ ही दीपिका ने इरफान खान के लिए लिखा कि वह सभी उन्हें बहुत याद करते हैं। ओह हम बहुत ज्यादा तुम्हें याद करते हैं। फिल्म पीकू में दीपिका पादुकोण के अलावा अमिताभ बच्चन और इरफान खान ने अहम भूमिका निभाई थी। अमिताभ ने फिल्म में दीपिका के पिता का किरदार निभाया था। अमिताभ बच्चन को कॉन्सटिपेशन की दिक्कत होती है। इरफान खान ने फिल्म में एक कैब ड्राइवर की भूमिका निभाई थी। रोड ट्रिप के दौरान इन तीनों की लाजवाब केमेस्ट्री देखने को मिलेती है। इस फिल्म की कहानी इन तीनों सितारों के इर्द गिर्द घूमती है। ये फिल्म 8, मई 2015 को रिलीज हुई थी। दीपिका पादुकोण प्रेग्नेंट है और सितंबर में बच्चे को जन्म देंगी। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी थी। फिलहाल, रणवीर सिंह और दीपिका अपनी सभी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अजब-गजब | घने जंगल में जाते ही शख्स को दिखा तहखाना

अंदर जाते ही मिली दूसरी दुनिया!

अक्सर मनुष्य की जिंदगी बड़ी अजीबो गरीब होती है। क्योंकि उसको अपनी जिंदगी के बारे में खुद कुछ नहीं पता है की उसके साथ क्या होने वाला है। मनुष्य की जिंदगी में कई बार कुछ ऐसा हो जाता है, जिसकी उसे कल्पना भी नहीं होती है। और न ही उसे अगले पल की खबर होती है कि आगे क्या चीज हमारा इंतजार कर रही है। ऐसी घटनाएं अक्सर हमारे जीवन में होती रहती है। कुछ ऐसा ही हुआ एक शख्स के साथ, जो अनजाने रास्ते पर जा रहा था लेकिन उसे कुछ ऐसा मिल गया कि उसके हौसले पस्त होने लगे। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक जंगल के रास्ते जा रहे शख्स के साथ कुछ ऐसा हुआ, जैसा हम हॉरर फिल्मों में देखते आए हैं। उसे खुद अपनी आंखों के सामने एक तहखाने का रास्ता था लेकिन अंदर का नजारा उससे भी ज्यादा खौफनाक था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर उसने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में उस सख्स ने लोगों के बताया है। शख्स ने बताया कि वो एक एक्सप्लोरर है, जो नई और अनजान जगहों पर जाता है। ऐसे ही जंगली रास्ते से वो जा रहा था, तभी उसे एक जगह पर पेड़ों और पत्तों से घिरा हुआ दरवाजा जमीन पर ही दिखा। उस सख्स ने सावधानी पूर्वक उस जंग खाए हुए इस दरवाजे को हटाया, तो उसे अंदर तहखाने में जाती हुई सीढ़ियां दिखाई दीं। यहां घना अंधेरा था, फिर भी शख्स ने अंदर जाने की हिम्मत दिखाई। आगे शख्स ने दिखाया कि अंदर जाती हुई टनल दिखाई दी, जो पत्थर की बनी हुई थी। ऐसा लग रहा था कि रास्ता किसी दूसरी दुनिया की ओर जा रहा है। इन तस्वीरों और वीडियोज को देखने के बाद शख्स ने बताया कि अंदर जाने के लिए एक सुरंग का रास्ता भी है। एक यूज़र ने उसे सलाह दी कि ऐसी जगहों पर यूं ही न जाए क्योंकि अंदर ज़हरीली गैसें होती हैं, जो उसकी जान ले सकती हैं। अन्य लोगों ने भी सलाह दी कि उसे इस तरह बिना निगरानी के अंदर नहीं जाना चाहिए क्योंकि ये कोई ट्रैप डोर भी हो सकता है, जो उसे मुश्किल में डाल देगा। शख्स ने भी लोगों की सलाह मानी और वो लौट गया।

20 लाख की गाड़ी से शख्स जोत रहा है खेत, देखकर दंग रह गए लोग

इंटरनेट और सोशल मीडिया के ज़माने में लोग क्या-क्या नहीं दिखाते हैं। तरह-तरह के वीडियो हमारी आंखों के नीचे से रोजाना गुजरते हैं लेकिन कुछ ऐसे वीडियो भी होते हैं, जो हमें याद रह जाते हैं क्योंकि इसमें कुछ खास बात होती है। एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया में सुर्खियों में है, जिसमें एक शख्स लाखों की गाड़ी से अपने खेत जोत रहा है। जिससे उसकी गाड़ी धूल से भर गयी है। और बहुत ही गंदी लग रही है। वहीं हममें से बहुत से लोगों की आदत होती है कि हम इंसान को उसके प्रोफेशन से जज करने लग जाते हैं। इस वक्त वायरल हो रहा ये वीडियो ऐसे ही लोगों को आईना दिखाने वाला है। तमाम लोग जिस लग्ज़री कार को खरीदने और उसमें सवारी का सपना देखते हैं, उसे इस शख्स ने खेतों में उतार दिया है। वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि मिट्टी से सनी हुई एक लग्जरी कार खेत में चल रही है और उसके पीछे ट्रैक्टर वाला हल लगा हुआ है। गाड़ी आगे बढ़ रही है और उससे खेत को जोतने की कोशिश की जा रही है। कार को ड्राइव करके छोड़ दिया गया है और ड्राइवर की कोई पहचान नहीं हो पार रही है। बिना ड्राइवर के ही गाड़ी काफी दूर तक खेत में चलती जाती है और पीछे लगा हल खेत को जोत रहा है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। महज 32 सेकंड के इस वीडियो को अब तक 15 लाख से भी अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि सैकड़ों लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है। कमेंट करते हुए लोगों ने कहा कि जब पैसे हो जाएं तो ऐसा ही होता है। गाड़ी पर हरियाणा का नंबर लिखा हुआ है, ऐसे में माना जा रहा है कि ये वीडियो भी वहीं का है।

जनता का दुख दर्द समझते हैं राहुल गांधी : प्रियंका

सरकार अपराधियों को बचाने का काम कर रही

उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी दादी इंदिरा गांधी देश के लिए शहीद हुई। पिता राजीव गांधी देश के लिए शहीद हुए, जिन्हें नरेंद्र मोदी ने अपमानित करने का काम किया है। इस सरकार में जब महिलाओं पर अत्याचार होते हैं तो सरकार अपराधियों को बचाने का काम करती है। वहीं महराजगंज कस्बे में प्रियंका गांधी रोड शो कर रही थीं। भीड़ अधिक थी। एक एंबुलेंस मरीज लेकर आते हुए दिखी तो प्रियंका ने लोगों को हटवाकर एंबुलेंस को रास्ता दिलाया। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को भाई राहुल गांधी के चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने आपकी मुश्किलें कम करने और जरूरतें पूरी करने की बजाय पांच किलो राशन का बोरा पकड़ा दिया। पांच किलो राशन में क्या होने वाला है? बछरावां विधानसभा क्षेत्र के थुलवासां में आयोजित नुक्कड़ सभा में प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।

» बोलीं- सच बोलने की कीमत चुका रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। प्रियंका गांधी ने चुनावी सभाओं से रायबरेली के जनता में कांग्रेस के लिए माहौल बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने नुक्कड़ सभाओं में जहां बीजेपी पर हमला जारी रखा वही कांग्रेस प्रत्याशी व अपने भाई राहुल गांधी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश में इस समय एक ही नेता है, जो सही बात बोलता है और वह मेरा भाई राहुल गांधी है। सही बात बोलने के कारण राहुल गांधी को कई बार कई मुकदमे झेलने पड़े।

यहां तक उनकी सांसद की सदस्यता को भी रद्द करवा दी गई,

लेकिन मेरा भाई डरा नहीं। कहा कि लोगों के दुख दर्द को करीब से जानने के लिए जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक करीब 4000 किमी की लंबी पैदल यात्रा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार कंपनियों का निजीकरण कर रही है। उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है। धर्म के नाम पर लोगों को बांट रही है। धर्म की राजनीति कर रही है। इनसे बच के रहना है। उन्होंने कहा कि मैं कुछ गारंटी लेकर आई हूं, जो मैं पूरा करूंगी। सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत की भागीदारी मिलेगी। आंगनबाड़ी, रसोइया, आशा बहू का मानदेय डबल कर दिया जाएगा। खेती में प्रयोग किए जाने वाले सभी उत्पादों को जीएसटी मुक्त कर दिया जाएगा। कर्ज माफी के लिए स्थाई आयोग बनाया जाएगा।

इंदिरा जी से लोग नाराज हुए फिर मान गए

प्रियंका ने कहा कि युवा इम्तिहान देते हैं, लेकिन भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है। किसान भाइयों को फसलों को छुट्टा पशुओं से बचाने के लिए खेत में सोना पड़ रहा है। थुलवासां में नुक्कड़ सभा के दौरान प्रियंका ने जनता और अपने परिवार के बीच के भावनात्मक रिश्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 103 साल पहले रायबरेली का किसान जब ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ आंदोलन कर रहा था, तब मोतीलाल नेहरू ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू को भेजा। विरोध स्वरूप नेहरू जी ने गिरफ्तारी दी थी। तब से हमारे और आपके बीच का रिश्ता है। इंदिरा जी के समय आपको कुछ बातें अच्छी नहीं लगीं। तब आप ने उनको चुनाव हराया। आप ने सोचा की ये जो इंदिरा जी की नीति है जनता के लिए लाभदायक नहीं है, तो आप ने उन्हें हरा दिया। लेकिन इंदिरा जी नाराज नहीं हुईं और आपने जो किया उस पर उन्होंने आत्मचिंतन किया। उन्होंने सोचा की हो सकता है कि कोई गलती हुई हो। इसके बाद वह फिर चुनाव के लिए रायबरेली आईं और आप ने उन्हें चुनाव जिताया। यह रायबरेली की खासियत है कि आप जागरूक हैं। रायबरेली की जनता पर गर्व होना चाहिए।

किसी भी समय और किसी भी मुद्दे पर बहस को तैयार : स्मृति ईरानी

» प्रियंका गांधी को दी खुली चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेठी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी पर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी को खुली बहस की चुनौती दी है। ईरानी ने कहा है कि मैं प्रियंका से किसी भी चैनल पर, किसी भी समय, किसी भी टॉपिक पर बहस करने को तैयार हूं। आपको बता दें कि प्रियंका गांधी ने बीते दिनों एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि पीएम मोदी कई अहम मुद्दों पर बात नहीं करते हैं. स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी के इस बयान को अधार बनाते हुए आमने-सामने बहस करने की चुनौती दी है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं उन्हें चैलेंज करती हूं कि बीजेपी से किसी भी मुद्दे पर बहस के लिए वो किसी भी चैनल, किसी भी एंकर, कोई भी जगह और किसी भी समय को चुन लें, मैं उनसे बहस के लिए तैयार हूं, उन्होंने आगे कहा कि दोनों भाई बहन एक तरफ और बीजेपी का प्रवक्ता एक तरफ, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमारी पार्टी से उनके लिए सुधांशु त्रिवेदी ही बहुत हैं, उन्हें उत्तर मिल जाएगा। आपको बता दें कि अमेठी लोकसभा सीट से 2019 में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को 55 हजार वोटों के अंतर से हराया था। 2019 से पहले अमेठी गांधी परिवार की पारंपरिक सीट मानी जाती थी लेकिन स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को हराकर कांग्रेस के इस अभेद्य किले को जीत लिया था।

जम्मू कश्मीर के लोगों का हक छीन रही बीजेपी : महबूबा

» मुफ्ती बोलीं- पीडीपी संसद में बनेगी जनता की आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। महबूबा मुफ्ती ने लोगों से मतदान करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं को संसद में उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोगों को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। मध्य कश्मीर के जिला बडगाम के चडूरा में महबूबा ने लोगों से स्थिति को समझने और पीडीपी को वोट देने पर जोर दिया ताकि जम्मू-कश्मीर के लोगों से संबंधित चिंताओं को संसद में उठाया जा सके।

पीडीपी संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद को याद करते हुए कहा कि पीडीपी पार्टी संस्थापक के जन-समर्थक प्रयासों के कारण लोगों के दिलों में बसी है, जिन्होंने इखवान, एसओजी और पोटा को पलट दिया था।

प्रदेश में अब शांत इलाकों में भी हो रहे हमले : उमर

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में अभी आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है। पिछले चार सालों में आतंकी हमले शांत इलाकों में भी हो रहे हैं। उमर ने कहा कि श्रीनगर, राजोरी और पुंछ के इलाके में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। वहीं, एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा दोस्त बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदले जा सकते हैं। पाकिस्तान में नई सरकार बन रही है। जून में देश में सरकार बनेगी। उम्मीद करते हैं कि दोनों नई सरकारें बातचीत का राह अपनाएगी। उन्होंने कहा कि देश में नफरत फैलाई जा रही है।

जजपा लिख कर दे विपक्ष के साथ है: हुड्डा

» पूर्व सीएम बोले- हम प्रतिनिधिमंडल भेज देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत (हरियाणा)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार के अल्पमत में आने के बाद जजपा की तरफ से विपक्ष के साथ होने का दावा किया जा रहा है। अगर वह सही मायने में विपक्ष के साथ हैं तो राज्यपाल को लिखकर दे आएं। इसके बाद वह खुद पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को राज्यपाल के पास भेजेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह सब वोट काटू हैं, इस बात को लोग समझ चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अगर जजपा के 10 विधायक सरकार के खिलाफ राज्यपाल को लिखकर दे आएं तो कांग्रेस भी राज्यपाल के पास जाकर सरकार की बर्खास्तगी की मांग करेगी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दावे, जिसमें उन्होंने कहा था कि चिंता

की बात नहीं, भाजपा के संपर्क में कई विधायक हैं, को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि ऐसा है तो फिर राज्यपाल के सामने जाकर भाजपा बहुमत की सूची पेश कर दे। उन्होंने आम आदमी पार्टी से गठबंधन पर एक बार फिर कहा कि उनसे गठबंधन हरियाणा विधानसभा को लेकर नहीं है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के पास तो प्रत्याशी ही नहीं थे। 10 में छह प्रत्याशी कांग्रेस से लिए गए हैं। कांग्रेस के सभी प्रत्याशी मजबूत हैं और प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति कहीं बेहतर है।

हुड्डा की ख्वाहिश पूरी नहीं होने वाली : विज

हरियाणा के तीन निर्दलीय विधायकों ने गत दिवस भाजपा से अपना समर्थन वापस लेकर कांग्रेस को समर्थन दे दिया। इस पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे दुख है कि आजाद विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया लेकिन हुड्डा साहब की ख्वाहिश कभी पूरी नहीं हो सकती क्योंकि अभी हमारे तरकश में कई तीर हैं।उन्होंने कहा कि और हमारी सरकार ट्रिपल इंजन की सरकार है और तीन-तीन इंजन इसकी देखभाल कर रहे है जिसमें नरेंद्र मोदी, मनोहर लाल और नायब सैनी हैं जो पल पल की खबर रखते हैं और इसका इलाज भी जानते हैं। गौरतलब है कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक उथल-पुथल लगातार जारी हैं। इस कड़ी में जहां चुनाव प्रचार जोर-शोर से चल रहा है तो वहीं पार्टी बदलने का सिलसिला भी लगातार जारी हैं। वहीं जेजेपी के दुष्यंत और दिग्विजय के बयान पर पलटवार करते हुए विज ने कहा कि अगर जेजेपी कांग्रेस के साथ जाना चाहती है तो हम रोक नहीं सकते।

लखनऊ के हारते ही मुंबई आईपीएल से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आईपीएल 2024 के 57वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी है। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पारी लड़खड़ाने के बाद 4 विकेट पर 165 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने विस्फोटक पारी खेलते हुए सिर्फ 9.4 ओवर में 167 रन बनाकर टीम को बेहतरीन जीत दिलाई।

हैदराबाद के जीतने के साथ ही मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। वहीं लखनऊ ने आयुष बदोनी के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 165 रन बनाए हैं। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने दमदार शुरुआत करते हुए पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 107 रन बनाए। लखनऊ ने पारी की शुरुआत में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए लेकिन आयुष बदोनी और निकोलस पूरन के बीच 5वें विकेट के लिए 99 रन की हुई साझेदारी की बदौलत लखनऊ की टीम 160 का स्कोर पार करने में कामयाब हुई। बदोनी ने 55 रन बनाए। पूरन 48 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिए। लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने तीसरे ओवर में पहला विकेट गंवाया। क्विंटन डिकॉक 5 गेंद में दो रन ही बना सके। मार्कस स्टोयनिस 5 गेंद में तीन रन बनाकर आउट हुए। कप्तान केएल राहुल ने 33 गेंद में 29 रन बनाए। कृणाल 24 रन बनाकर रन आउट हुए। इसके बाद बदोनी और पूरन के बीच पांचवें विकेट के लिए 52 गेंद में 99 रन की नाबाद साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत लखनऊ की टीम ने 165 रन बनाए। पूरन 26 गेंद में 48 और आयुष बदोनी 30 गेंद में 55 रन बनाकर नाबाद लौटे।

» सनराइजर्स हैदराबाद ने एलएसजी को 10 विकेट से रौंदा

एयर इंडिया एक्सप्रेस का बड़ा एक्शन 30 को किया बर्खास्त

» कर्मचारियों को 4 बजे तक का दिया अल्टीमेटम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्मचारियों की बगावत के बीच एयर इंडिया एक्सप्रेस ने केबिन क्रू के 30 सदस्यों को बर्खास्त कर दिया है। एयर इंडिया ने यह एक्शन नियमों का हवाला देते हुए लिया है। जिन कर्मचारियों को कंपनी निकाला है उनमें सिक लीव पर गए कर्मचारी ही शामिल हैं। साथ ही कंपनी ने जितने भी बचे कर्मचारी अभी सिक लीव पर गए हैं उन्हें गुरुवार शाम चार बजे तक नौकरी पर वापस आने का अल्टीमेटम भी दिया है।

सूत्रों के अनुसार ऐसा ना करने पर कंपनी उनके खिलाफ भी एक्शन लेने की तैयारी में है। आपको बता दें कि कर्मचारियों की बगावत का खामियाजा अब यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। गुरुवार को भी एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो रद्द हैं या फिर देरी से चल रही हैं। इस वजह से यात्रियों को खासी परेशानी का सामना पड़ रहा है. अभी तक मिली सूचना के अनुसार जिस फ्लाइट्स को गुरुवार को कैंसल किया गया है उनमें चेन्नई से कोलकाता, चेन्नई से सिंगापुर और त्रिचे से सिंगापुर की फ्लाइट शामिल हैं। जबकि लखनऊ से बेंगलुरु की फ्लाइट देरी से चल रही है। आपको बता दें कि एयर इंडिया एक्सप्रेस में काम करने वाले 300 से ज्यादा कर्मचारी बुधवार से ही काम पर नहीं आ रहे हैं। इन सभी कर्मचारियों ने एक साथ पहले सिक लीव अप्लाई की और अपना मोबाइल फोन ऑफ कर लिया. इस वजह से बुधवार को भी विमानों के संचालन में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

पिछले महीने भी कर्मचारियों ने प्रबंधन पर लगाया था आरोप

एयर इंडिया एक्सप्रेस के कर्मचारियों के विरोध या बगावत का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले महीने एयर इंडिया एक्सप्रेस केबिन क्रू के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ ने आरोप लगाया था कि एयरलाइन का प्रबंधन सही से काम नहीं कर रहा है और कर्मचारियों के साथ व्यवहार में समानता की कमी है। एक पंजीकृत यूनियन, एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ ने भी आरोप लगाया था कि मामलों के कुप्रबंधन ने कर्मचारियों के मनोबल को प्रभावित किया है।

एयर इंडिया को बंद कर देना चाहिए : गुलाम नबी आज़ाद

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के नेता गुलाम नबी आज़ाद उन यात्रियों में से थे, जो एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें रद्द होने से प्रभावित हुए थे, क्योंकि केबिन क्रू के एक सदस्य को बीमार बुलाया गया था। अचानक उठाए गए कदम की आलोचना करते हुए आजाद ने कहा कि टाटा समूह की एयरलाइन को बंद कर देना चाहिए। इसके बाद देश के अनेक हवाईअड्डों पर सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। केरल के कुछ हवाईअड्डों पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के कई यात्रियों ने अंतिम समय में अपनी उड़ान रद्द होने के खिलाफ प्रदर्शन किया जिनमें अधिकतर खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले लोग शामिल थे।

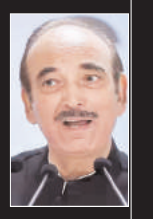

चंदौली में जहरीली गैस से चार लोगों की मौत

» सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। चंदौली जिले के मुगलसराय क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के संपर्क में आकर चार लोगों की मौत हो गयी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिरुद्ध सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुगलसराय क्षेत्र के कालीमहाल मुहल्ले में बुधवार रात भरतलाल जायसवाल नामक व्यक्ति अपने घर का सेप्टिक टैंक साफ करवा रहा था। इसी दौरान उसमें से निकली जहरीली गैस के सम्पर्क में आने से उसका बेटा अंकुर और तीन सफाईकर्मी कालीमहाल निवासी सफाईकर्मी विनोद रावत, कुंदन व लोहा बेहोश हो गये। उन्होंने बताया कि बेहोश हालत में चारों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीनों सफाईकर्मी टैंक साफ करते वक्त जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गये थे। मकान मालिक भरत लाल के बेटे अंकुर ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन वह भी जहरीली गैस के संपर्क में आ गया।

अदालत ने आरोपी के शव का दूसरी बार पोस्टमार्टम करने की अनुमति दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सलमान के घर के बाहर गोलीबारी मामले में दिया फैसला

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी की घटना से जुड़े मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में मृत पाये गए अनुज कुमार का दूसरा पोस्टमार्टम करने की अनुमति दे दी। अदालत ने यह आदेश अनुज कुमार की मां रीता देवी की याचिका पर दिया, जिन्होंने नए सिरे से पोस्टमॉर्टम कराने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति विनोद एस. भारद्वाज की अदालत ने याचिकाकर्ता को 10 मई या उससे पहले शव को फरीदकोट स्थित गुरु गोविंद सिंह चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल को सौंपने को कहा। आग्नेयास्त्रों और कारतूस की आपूर्ति करने के आरोपी कुमार को 26 अप्रैल को पंजाब से गिरफ्तार किया गया था और एक अदालत ने उसे 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पंजाब के फाजिल्का का रहने वाला कुमार एक मई को यहां क्रॉफर्ड मार्केट में आयुक्तालय परिसर में अपराध शाखा के हवालात के शौचालय में मृत पाया गया था। याचिकाकर्ता के वकील देवेंदर सिंह खुराना ने अदालत में दलील दी कि उन्हें संदेह है कि रीता देवी के बेटे का खात्मा एक साजिश के तहत किया गया और गड़बड़ी की किसी भी संभावना को खारिज करने के लिए यह आवश्यक है कि पोस्टमार्टम दोबारा कराया जाए।

पीएम सीबीआई या ईडी से कराएं जांच : राहुल

अडानी और अंबानी पर दिए बयान पर मोदी पर कसा तंज

» कहा- 'व्यक्तिगत अनुभव' के आधार पर बोल रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि वह इस बात की जांच सीबीआई या ईडी से कराएं कि क्या उद्योगपति अडानी और अंबानी ने उनकी पार्टी को काला धन भेजा है। साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या मोदी उद्योगपतियों द्वारा 'टेम्पो से पैसा भेजने' को लेकर अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी पर पलटवार किया, जिसमें मोदी ने एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता पर हमला करते हुए कहा था कि उन्होंने (राहुल) अपने हमलों में अडानी और अंबानी का नाम लेना क्यों बंद कर दिया है और क्या उन्हें इसके बदले इन उद्योगपतियों से पैसा मिला है। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए गांधी ने एक वीडियो संदेश में पूछा कि क्या मोदी उद्योगपतियों द्वारा भेजे जा रहे पैसों के बारे में अपने 'व्यक्तिगत अनुभव' के आधार पर बोल रहे हैं।

सरासर झूठ बोलती है बीजेपी : प्रियंका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो वे अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला नहीं लगा सकते हैं। इसकी को लेकर प्रियंका गांधी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरासर झूठ है। कांग्रेस ने बार-बार कहा है कि हर कोई (सर्वोच्च न्यायालय के) फैसले का सम्मान करेगा और हमने यही किया है और आगे भी करते रहेंगे।

पित्रोदा के बयान पर घमासान, कांग्रेस ने किया किनारा

ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, भाजपा ने किया पलटवार- पता चलती है मानसिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा आजकल काफी चर्चाओं में बने हुए हैं। फिलहाल, भारतीयों की चीनी-अफ्रीकियों से तुलना करके उन्होंने नया विवाद खड़ा कर दिया है। उनके विवादास्पद बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार कांग्रेस और उनपर निशाना साध रही है। हालांकि सैम पित्रोदा ने ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनका इस्तीफा ले लिया है। उधर तमिलनाडु के भाजपा प्रमुख के अन्नमलाई ने पित्रोदा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अफ्रीकी और चीनी दिखने में कुछ भी गलत नहीं है। बता दें, सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू दिया था। उन्होंने कहा था कि हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग गोरों जैसे और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सभी बहन-भाई हैं। पित्रोदा ने कहा था कि भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा अलग-अलग हैं, लेकिन भारत के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा था कि देश के लोग 75 वर्षों तक एक सुखद वातावरण में रहे हैं, कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह सकते हैं।

मूर्खतापूर्ण और अपमानजनक बयान : अन्नामलाई

अन्नामलाई ने आगे कहा, कांग्रेस की सोच दिखाती है कि भारत आक्रमणकारियों की भूमि है और हम आक्रमणकारियों के वंशज हैं। इसलिए ही उनकी टिप्पणी मूर्खतापूर्ण और अपमानजनक है। इसका अर्थ यह है कि हम इन लोगों के वंशज हैं, भारतीय नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी के ही मालिक देश के बाहर हैं। केवल यह पार्टी ही उस हद तक जा सकती है जहां वह हमें आक्रमणकारियों का वंशज कह सकती है। भाजपा नेता ने पित्रोदा के बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह सिर्फ हमारे लिए बुरा महसूस करना नहीं है, बल्कि यह कांग्रेस की मानसिकता दिखाता है।

पढ़े-लिखे हैं पित्रोदा, थोड़ा जिम्मेदारी समझें : वाड्रा

सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि उससे मैं बिल्कुल असहमत हूं। बकवास की बात है। इतना पढ़ा-लिखा कोई व्यक्ति ऐसा कैसे कह सकता है?...वह राजीव गांधी के बहुत करीबी थे लेकिन उन्हें थोड़ा जिम्मेदार होना चाहिए...राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा प्रयास कर रहे हैं लेकिन उनके एक बयान से बीजेपी को अनावश्यक मुद्दे उठाने का मौका मिल जाता है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि मैं किसी को जवाब देने के लिए राजनीति में नहीं आना चाहता।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।